क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 26, सोमवार, 18 फरवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शहीदों के सम्मान में पूरा देश एक साथ आया

पुलवामा शहीदों की अंतिम यात्रा..

नई दिल्ली ।

पुलवामा में गुरुवार को आतंकी हमले में शहीद हुए 40 जवानों को देश ने नम आंखोंके साथअंतिम विदाई दी। वहीं दूसरी तरफ सरकार अपनी रणनीति बनाने में जुट गई। संसद भवन में गृह मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई, जिसमें बैठक में एक सुर में आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई को लेकर चर्चा हुई। वहीं पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने पुलवामा हमले का जिक्र करते हुए कहा, 'भारत नई रीति और नई नीति का देश है, ये अब दुनिया भी अनुभव करेगी। भारत की ये नीति रही है कि हम किसी को छेड़ते नहीं हैं, लेकिन नए भारत को किसी ने छेड़ा तो वो छोड़ता भी नहीं है।'

पुलवामा हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल पीके साहू को भुवनेश्वर में अंति श्रद्धांजलि दी गई एवं राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। वहीं बिहार के शहीद जवान रतन कुमार ठाकुर की अंतिम यात्रा पूरे शहर से निकाली गई। उनके पिता बोले, 'मैं अपने दूसरे बेटे को भी लड़ने के लिए भेजूंगा। लेकिन पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब मिलना चाहिए।

शहीद हेमराज के पिता ने कहा सरकार पाकिस्तान को मुंहतोड जाबाव दे

- कोटा। जम्मू एवं कश्मीर के पुलवामा में आतंकवादी हमले में शहीद हुये राजस्थान में कोटा के हेमराज मीणा के पिता हरदयाल मीणा ने अपने पुत्र की शहादत पर गर्व करते हुये कहा कि केन्द्र सरकार पाकिस्तान को इसका मुंहतोड़ जबाव देना चाहिए।
- कोटा जिले के छोटा साथ गांव विनोद कला के रहने वाले 70 वर्षीय हरदयाल मीणा ने अपने पुत्र हेमराज के शहीद होने का दर्द को अपनी जुंबा से बया करते हुये कहा कि हम कब तक आतंकी हमले सहन करते रहेगें और सैनिक कब तक शहीद होते रहेगें।
- उन्होंने कहा 'सरकार को पाकिस्तान से इस हमले का बदला लेना चाहिये तभी मेरे दिल के घाव सूखेंगे। इस बीच पति की शहादत की खबर मिलते ही हेमराज की पत्नि मधुवाला की तबियत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई।
- शहीद हेमराज के परिवार में माता पिता, भाई एवं पत्नी मधु एवं चार मासूम बच्चे साथ रहते है। शहीद की पत्नी से स्थानीय जनप्रतिनिधि मिलने पहुंचे तो उसने कहा 'अब मेरे बच्चों की देखभाल कौन करेगा।'

कन्नौज में बेटी ने दी शहीद पिता को मुखाग्नि, तुरंत हो गई बेहोश

कन्नौज। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में गुरुवार को हुए आतंकी हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के जवान प्रदीप सिंह यादव का अंतिम संस्कार शनिवार को उनके पैतृक गांव सुखसेनपुर के ग्राम अमान में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। ये गांव उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में आता है। शहीद जवान की 10 साल की बेटी सुप्रिया यादव ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। मुखाग्नि देने के बाद शहीद की बेटी बेहोश हो गई, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। हजारो लोगों की आंखे नम हो गईं। इस दौरान लोगों की खूब भीड़ भी उमड़ी। शहीद जवानों में करीब 12 जवान उत्तर प्रदेश के हैं जिनके घरों में इस घटना के बाद मातम पसरा है और लोग उनकी शहादत को याद कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी के 12 शहीदों के परिजनों को 25 लाख रुपए की आर्थिक मदद का एलान किया है।

शहीद वीरेंद्र सिंह को याद कर पूरा नैनीताल हुआ गमगीन

नैनीताल। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में आत्मघाती हमले में शहीद हुए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान वीरेन्द्र सिंह को पूरे सैन्य सम्मान के साथ शनिवार को उत्तराखंड के खटीमा स्थित उनके पैतृक गांव में अंतिम विदायी दी गयी। इस अवसर पर मौजूद बड़ी संख्या में लोगों ने नम आंखों से उन्हें विदायी दी। शहीद जवान की चिता को उनके ढाई साल के पुत्र ने मुखाग्नि दी। शहीद वीरेंद्र का पार्थिव शरीर आज सुबह उधमसिंह नगर के खटीमा स्थित मोहम्मदपुर भुड़िया पहुंचा। जैसे ही पार्थिव शरीर गांव पहुंचा माहौल बेहद गमगीन हो गया। सभी के आंखों में आंसू थे।

शहीद संजय कुमार सिन्हा की देह पर पटना ने बरसाए फूल

पटना। पुलवामा के आतंकी हमले में शहीद हुए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल(सीआरपीएफ) के जवान संजय कुमार सिन्हा की अंतिम यात्रा में भारी जनसैलाब उमड़ा। बिहार के पटना जिले के मसौढ़ी के तारेगनाडीह निवासी संजय कुमार सिन्हा का पार्थिव शरीर सेना के वाहन से जब जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उनके पैतृक गांव के लिए रवाना हुआ तब वाहनों के काफिले पर सड़क के दोनों ओर खड़े होकर लोगों ने फूल बरसाये। लोग शहीद संजय अमर रहे, भारत माता की जय, शहीदों की शहादत का बदला लेकर रहेंगे, इंडियन आर्मी जिंदाबाद और पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगा रहे थे। जैसे-जैसे काफिला मसौढ़ी की ओर बढ़ रहा था उसमें शामिल लोगों का हुजूम बढ़ता ही जा रहा था। काफिले में शामिल नवयुवक हाथों में तिरंगा लिये हुए थे।

कांगड़ा में शहीद तिलक राज की राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि

- कांगड़ा जिले में जवाली क्षेत्र के जंद्रो गांव के जवान तिलक राज राजकीय और सैनिक सम्मान के साथ अंत्येष्टि की गई।
- शहीद के भाई बलदेव सिंह ने चिता को मुखाग्नि दी।
- राज्य के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने शहीद की अंतिम यात्रा में भाग लिया
- इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थय मंत्री जगत प्रकाश नडडा, लोकसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार तथा बड़ी संख्या में लोगों का हजूम उमड़ा हुआ था।
- लोगों ने 'शहीद तिलक राज अमर रहे' और पाकिस्तान विरोधी नारे लगाए।
- मुख्यमंत्री ने सांत्वना देते हुए कहा कि तिलक राज ने देश की खातिर अपना जीवन न्यौछावर कर दिया।
- प्रदेश सरकार दुख की इस घड़ी में शहीद के परिवार के साथ है तथा उसे 20 लाख रुपए की वित्तीय सहायता और पत्नी को सरकार नौकरी प्रदान करेगी।

शहीद मोहन लाल की बेटी ने दी पिता को सलामी

हेमराज के पिता का छलका दर्द, कहा- कब तक हमारे बेटे होते रहेंगे शहीद

नेशनल डेस्क। जम्मू एवं कश्मीर के पुलवामा में आतंकवादी हमले में शहीद हुये राजस्थान में कोटा के हेमराज मीणा के पिता हरदयाल मीणा ने अपने पुत्र की शहादत पर गर्व किया। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार को पाकिस्तान को इसका मुंहतोड़ जबाव देना चाहिए। कोटा जिले के छोटा साथ गांव विनोद कला के रहने वाले 70 वर्षीय हरदयाल मीणा ने अपने पुत्र हेमराज के शहीद होने का दर्द को अपनी जुंबा से बया करते हुये कहा कि हम कब तक आतंकी हमले सहन करते रहेगें और सैनिक कब तक शहीद होते रहेगें। उन्होंने कहा कि सरकार को पाकिस्तान से इस हमले का बदला लेना चाहिये तभी मेरे दिल के घाव सूखेंगे। इस बीच पति की शहादत की खबर मिलते ही हेमराज की पत्नि मधुवाला की तबियत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई। शहीद हेमराज के परिवार में माता पिता, भाई एवं पत्नी मधु एवं चार मासूम बच्चे साथ रहते है। शहीद की पत्नी से स्थानीय जनप्रतिनिधि मिलने पहुंचे तो उसने कहा कि अब मेरे बच्चों की देखभाल कौन करेगा। सूत्रों के अनुसार शहीद हेमराज की नौकरी विवाह के बाद लगी थी। उसके रिटार्यड होने में भी अब केवल 18 माह ही शेष बचे थे। शहीद हेमराज मीणा के दो पुत्र एवं दो पुत्रियां हैं। बड़ी बेटी रीना उम्र 18 वर्ष, टीना उम्र 14 वर्ष, पुत्र अजय उम्र 12 वर्ष, ऋषभ की उम्र चार वर्ष है। हेमराज मीणा मंगलवार को ही कोटा से ड्यूटी पर गए थे। उन्होंने पत्नी से 20 दिन बाद लौटने का वादा किया था।

यवतमाल में पीएम मोदी बोले-

इन शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज महाराष्ट्र के यवतमाल में विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए पुलवामा में शहीद हुए जवानों को भी याद किया। मोदी ने कहा कि मैं जनता हूं कि हम सभी किस गहरी वेदना से गुजर रहे हे। पुलवामा में जो हुआ, उसको लेकर आपके आक्रोश को मैं समझ रहा हूं। जिन परिवारों ने अपने लाल को खोया है। उनकी पीडा मैं अनुभव कर सकता हूं। इन शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। आतंकी संगठनों ने, आंतक के सरपरस्तों ने जो गुनाह किया है, वो चाहे जितना छिपने की कोशिश करें, उन्हें सजा जरूर दी जाएगी। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार की तमाम योजनाओं का भी जिक्र किया। शेतकारी समाज से हमने लंबा संवाद किया। इसके साथ जो घुमंतू और बंजारा समाज है। उसके लिए भी कई बडी योजनाओं का ऐलान किया गया है। पीएम ने कहा कि पंद्रह हजार तक महीना कमाने वाले साथियों को 60 साल के बाद पेंशन की व्यवस्था की जा रही है। यवतमाल में पीएम मोदी ने कहा कि वन उपज के समर्थन मूल्य में बीते साढ़े चार साल में तीन बार बढ़ोतरी की गई है। एमएसपी के दायरे में आने वाली फसलों को भी बढ़ाया गया है। इसके अलावा 20 हजार से ज्यादा आदिवासी आबादी वाले क्षेत्रों में स्कूल खोले जा रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यवतमाल के लिए तीन संस्थानों का लोकार्पण किया गया है। मोदी ने अयुष्मान भारत का जिक्र करते हुए कहा कि मेरी कुछ देर पहले योजना के लाभार्थियों से मुलाकात की

है। उनके चेरहे पर जो संतोष दिखा वही आपके प्रधानसेवक को है।

पुलवामा आतंकी हमले के बाद चीफ आफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति की मांग हुई तेज

नई दिल्ल।

पुलवामा में आतंकी हमले के बाद अब तीनों सेनाओं की संयुक्त कमान के प्रमुख (सीडीएस) की नियुक्ति की मांग एक फिर तेज हो गई है. रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि अब समय आ गया है कि सरकार को चीफ आफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति करनी चाहिए. पाकिस्तान में भारत के पूर्व उच्चायुक्त एवं रक्षा मामलों के विशेषज्ञ जी पार्थसारथी ने कहा कि कारगिल युद्ध के बाद गठित समिति की एक महत्वपूर्ण सिफारिश तीनों सेनाओं के संयुक्त प्रमुख (सीडीएस) की नियुक्ति करने की थी. इसका उद्देश्य था कि सेना के तीनों अंग एक प्रमुख के तहत समन्वय के साथ काम कर सके. उन्होंने कहा कि सरकार ने समिति की ज्यादातर मांग मान ली लेकिन चीफ आफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति की सिफारिश पर अभी तक अमल नहीं हुआ है . पार्थसारथी ने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है . इस दिशा में सरकार को जल्द कदम उठाना चाहिए.' उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि यह विषय रक्षा मंत्रालय की नौकरशाही में उलझ गया है. उल्लेखनीय है कि करगिल युद्ध की समीक्षा के लिए साल 1999 में युद्ध के तत्काल बाद उच्च स्तरीय सुब्रह्मण्यम समिति ने पहली बार 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' बनाने की सिफारिश की थी.

पाक सीमा के पास वायुसेना ने दिखाई ताकत, 2 घंटे में गरजे 137 लड़ाकू विमान

पोखरण:

वायु सेना ने शनिवार को पाकिस्तान से लगती सीमा के निकट राजस्थान के पोखरण में अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन किया जिसमें उसके 140 लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों और मालवाहक विमानों ने दिन, सूर्यास्त और रात के समय लक्ष्यों को पता लगाकर उन्हें नेस्तनाबूद करने के कौशल का नमूना पेश किया। पिछले वर्ष चीन-पाकिस्तान से लगते दोनों मोर्चों पर गगन शक्ति अभ्यास में अपनी ताक़त का अहसास कराने के बाद वायु सेना ने आज अनेक देशों के राजदूतों ओर रक्षा अताशों के सामने वायु शक्ति 2019 में अपनी मारक क्षमता का परिचय दिया। इससे रेंज के आसपास जमीन और आसमान थरा गए। जम्मू कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर गुरुवार को हुए आतंकी हमले के बाद इस अभ्यास का महत्व और बढ़ गया है। इस हमले में 40 जवान शहीद ही गए और इतने ही घायल हो गए हैं। इस मौके पर वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल बी एस धनोआ ने कहा कि इस अभ्यास में वायु सेना पूरी शक्ति और तेजी के साथ दुश्मन पर जबरदस्त प्रहार करने की ताकत का प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि वायु सेना हर स्थिति से निपटने तथा राजनीतिक नेतृत्व द्वारा दिये जाने वाले हर मिशन को पूरा करने को तैयार है।

पुलवामा आतंकी हमला: उपराष्ट्रपति ने कहा,

'केवल निंदा नहीं, उन्हें सही सबक सिखाना पड़ेगा'

प्रयागराज।

कश्मीर के पुलवामा में आतंकी हमले में शहीद हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने शनिवार को यहां कहा कि इस घटना की दुनियाभर में निंदा हो रही है, लेकिन केवल निंदा से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें सही सबक भी सिखाना पड़ेगा. कुम्भ मेले में अक्षयवट पंडाल में आयोजित युवा कुम्भ सम्मेलन को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा, 'आपने देखा कि कल पड़ोसी देश समर्थित आतंकवादियों ने हमारे जवानों पर हमला किया. पूरी दुनिया के लोग उसकी निंदा कर रहे हैं. केवल निंदा से काम नहीं चलेगा, बल्कि उनको सही सबक सिखाना पड़ेगा.'

'हमें विश्वास है कि हमारे फौजी सही समय पर उन्हें सबक सिखाएंगे'

उप राष्ट्रपति ने कहा, 'हमें विश्वास है कि हमारे फौजी सही समय पर उन्हें सबक सिखाएंगे. हम सबके साथ मिलकर रहना चाहते हैं. हम वसुधैव कुटुंबकम की सोच रखने वाले शांति प्रिय लोग हैं. एक जमाने में विश्व गुरू रहे भारत ने कभी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया. यह हमारी विशेषता है.' उन्होंने कहा,'लेकिन हमें अपनी एकता और अखंडता की रक्षा करनी है. हमें मुश्किल घड़ी में एकजुट रहना होगा. मैं देश

के लोगों खासकर युवा पीढ़ी से देश की सेना के साथ खड़े रहने की अपील करता हूं. हमारे सैनिक अपना परिवार छोड़कर चौबीसों घंटे हमारी रक्षा के लिए तैनात रहते हैं.' कुम्भ मेले में आए उप राष्ट्रपति ने गंगा का पूजन किया और अक्षयवट और सरस्वती कूप का दर्शन किया. इसके बाद उन्होंने लेटे हुए हनुमान जी का दर्शन किया. नायडू के साथ उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक और स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह भी थे .

संपादकीय

पुलवामा हमले का जवाब

पुलवामा के आतंकवादी हमले ने एक नहीं, एक साथ कई बड़ी चुनौतियां पेश कर दी हैं। कश्मीर में जिस तरह का पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद चल रहा है, उसका जवाब देना कभी आसान नहीं रहा। हर मोर्चे पर एक अलग चुनौती है। सबसे बड़ी चुनौती हमेशा से यह रही है कि आतंकवादियों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जाए, पर कश्मीर के लोगों को इस लड़ाई में बचाया भी जाए। सेना और सुरक्षा बल हमेशा ही यह कोशिश करते रहे हैं कि आतंकवादियों को तो निशाना बनाया जाए, लेकिन कुछ इस तरह से कि स्थानीय जनजीवन पर इसका ज्यादा असर न पड़े। इसके लिए उसे ढेर सारी सावधानियां बरतनी होती हैं, आतंकी अक्सर इन्हीं सावधानियों का फायदा उठाते हैं। पुलवामा हमले का जो ब्योरा अब तक सामने आया है, वह यही बताता है कि इसमें जनजीवन को सामान्य बनाए रखने के लिए दी गई छूट का फायदा उठाया गया। लेकिन इसका यह अर्थ भी नहीं है कि जनजीवन को सामान्य बनाए रखने के लिए दी गई राहतों को खत्म कर दिया जाए। दरअसल, यह मामला राहत को बनाए रखते हुए सतर्कता को लगातार बढ़ाने का है। इससे भी बड़ा सवाल यह है कि इस हमले का जवाब कैसे दिया जाए, जिससे षड्यंत्रकारी दोबारा ऐसी जुर्रत न कर सकें?

जब उरी का आतंकवादी हमला हुआ था, तब भारतीय सेना ने जवाब में सर्जिकल स्ट्राइक की थी। उस जवाबी कार्रवाई का सैनिक महत्व भले ही ज्यादा न रहा हो, लेकिन उससे यह संदेश भेजा गया कि भारत पाकिस्तान की तरफ से आने वाले आतंकवाद के सामने हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठेगा। पर अब कहीं ज्यादा बड़े आतंकवादी हमले ने बता दिया है कि पाकिस्तान ने उस सर्जिकल स्ट्राइक से भी कुछ नहीं सीखा है। जाहिर है कि अब हमें इस स्तर से आगे बढ़कर कुछ सोचना होगा। इस बीच एक यह बयान भी सुनने में आया है कि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग किया जाएगा। यह तर्क बहुत समय से दिया जाता रहा है और आतंकवाद से पाकिस्तान का जो रिश्ता है, उसे तकरीबन पूरी दुनिया भी जानती है। इसलिए यह उम्मीद व्यर्थ है कि पुलवामा के आतंकवादी हमले के बाद दुनिया का नजरिया बदल जाएगा। अफगानिस्तान का पड़ोसी होने के कारण और वहां की स्थितियों को लगातार भड़काते रहने के कारण फिलहाल जो स्थिति है, उसमें पश्चिमी देशों को पाकिस्तान की जरूरत है। ऐसे में, उसे अलग-थलग करना आसान नहीं होगा। ये दो स्थितियां हैं, जिनके बीच में भारत को अपना जवाब तय करना होगा। यह लगभग तय है कि सेना और रक्षा विशेषज्ञों ने जवाबी कार्रवाई की रूपरेखा बनानी शुरू कर दी होगी। अच्छी बात यह है कि इस मामले पर विपक्ष भी सरकार के साथ खड़ा दिखाई दे रहा है। ऐसे मौके पर यह भी जरूरी है कि सोशल मीडिया या टीवी की बहसों से सरकार पर किसी खास तरह की कार्रवाई का दबाव न बनाया जाए, फैसले को उस पर छोड़ा जाए। पुलवामा हमले में सबसे परेशान करने वाली चीज यह है कि पहली बार एक कश्मीरी नौजवान का इस्तेमाल बहुत बड़े आत्मघाती हमले में किया गया। यह बताता है कि पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन किस तरह से स्थानीय नौजवानों के दिमाग को दूषित कर रहे हैं। हमारी सबसे बड़ी चुनौती इस तरह के प्रदूषण को रोकने की है, अलगाववाद की भावना को खत्म करने के लिए यह सबसे जरूरी है।.

दिल्ली का दबंग कौन

केंन्द्र सरकार और दिल्ली सरकार के बीच अधिकार क्षेत्र को लेकर चल रही लड़ाई पर सुप्रीम कोर्ट का एक और फैसला आ गया। इसके मुताबिक भ्रष्टाचार निवारक ब्यूरो और जांच आयोग गठित करने का अधिकार केंद्र के पास ही रहेगा, जबकि दिल्ली सरकार के पास लोक अभियोजकों की नियुक्ति जैसे कुछ अधिकार रहेंगे। फैसले के बावजूद एक ऐसा मसला है, जो अब भी अनसुलझा रह गया, क्योंकि खुद सुप्रीम कोर्ट के जजों में मतभेद पैदा हो गया। मसला अधिकारियों की तैनाती और स्थानांतरण से जुड़े अधिकार का है। अब सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बेंच इस मसले पर विचार करेगी। यानी उसका फैसला आने तक यह अधिकार केंद्र के पास ही रहेगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद भी यह विवाद अभी थमने वाला नहीं है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के पास यह मसला आगे भी लंबित रहेगा। पर इसका दूसरा पहलू इस पर होने वाली राजनीति है। फैसले पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जिस प्रकार की प्रतिक्रिया दी है, वह सुखद नहीं है। उन्होंने फैसले को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ बताया। इसके विपरीत भाजपा ने उन्हें अराजकतावादी बता दिया। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की प्रतिक्रिया इस मामले में परिपक्वतापूर्ण रही, जिनके कार्यकाल में ऐसी विकट समस्या सामने नहीं आई। चूंकि केंद्र और राज्यों के अधिकार स्पष्ट तौर पर परिभाषित हैं, इसलिए विवाद उठने की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। इसके बावजूद कोई विवाद पैदा होता है, तो उसे आपसी तालमेल से सुलझा जाए, ताकि जनता में नकारात्मक संदेश न जाए। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस टकराव के कारण कई तरह के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। अगर राजनीतिक कारणों से ही ऐसा किया जा रहा है, तो भी इससे अंतत- जनता का ही नुकसान होगा। अगर यह अपनी विफलता छिपाने की ही राजनीति है, तो यह ज्यादा कारगर होने वाली नहीं है। कारण यह है कि जनता के सामने पूर्ववर्ती सरकारों का दृष्टांत मौजूद है। एक सरकार के बदलने से अगर यह स्थिति पैदा होती है, तो अंततः राजनीति की ही विफलता मानी जाएगी। यहां यह ध्यान रखना होगा कि दिल्ली देश की राजधानी है, जहां राष्ट्रीय संस्थाओं के कार्यालय से लेकर विभिन्न राज्यों के निवासी रहते हैं। इसलिए दिल्ली की वैधानिक स्थिति के बारे कोई भी मांग या प्रावधान करने से पहले इस महानगर की प्रकृति के बारे में ध्यान रखना होगा, अन्यथा इसकी कीमत संपूर्ण राष्ट्र-समाज को चुकानी पड़ सकती है।

कटाक्ष/ कबीरदास

अवार्ड वापसी-2

लीजिए, ''अवार्ड वापसी' गिरोह फिर चालू हो गया। इस बार नागरिकता कानून में संशोधन का बहाना है। भूपेन हजारिका के बेटे ने पापा का ''भारत रत्न' लौटाने की धमकी दी है। उससे पहले असम के एक मशहूर फिल्म निर्देशक ने अवार्ड लौटाने का एलान किया था। वह तो गनीमत हो गई कि इस विरोध की हवा मुंबई तक नहीं पहुंची, वर्ना अमोल पालेकर अवार्ड वापसी-2 में शामिल हुए बिना नहीं मानते। अवार्ड वापसी नहीं तो असहिष्णुता का विरोध ही सही! केसरिया भाई गलत नहीं कहते हैं कि असहिष्णुता, असहिष्णुता करने वाले ही, सबसे ज्यादा असहिष्णु हैं। वर्ना नागरिकता कानून में संशोधन के विरोध में अवार्ड नहीं लौटाते। दूसरों से असहिष्णुता की शिकायत करने वालों को खुद भी तो कुछ सहिष्णुता का परिचय देना चाहिए था। उन्हें नागरिकता कानून में संशोधन सहन कर लेना चाहिए था। माना कि यह संशोधन, भारतीय नागरिकता मामले में धर्म को घुसाता है, लेकिन नागरिकता कानून में संशोधन गलत है, इसीलिए तो सहिष्णुता दिखाने की जरूरत थी। वर्ना सही चीज के लिए सहिष्णुता दिखाने को कौन कहता है? और कौन सही चीज के लिए सहिष्णुता दिखाने को, सहिष्णुता दिखाना मानता है? सहिष्णुता तो तब मानी जाएगी, जब जानते हुए भी कि गलत हो रहा है, बंदा और कुछ नहीं तो कम से कम चुप ही लगा जाए। खैर! पालेकर साहब ने तो असहिष्णुता दिखाने की हद ही कर दी। सरकारी कला दीर्घा ने भाषण का न्यौता दिया तो जनाब कला दीर्घा से लेकर कलाकारों तक के साथ, सरकार के सलूक की ही आलोचना करने लगे। सरकार का सलूक अगर गलत भी है, तो क्या पालेकर साहब सरकार की जरा सी बदसलूकी बर्दात नहीं कर सकते थे? पर भाई ने अपनी असहिष्णुता दिखाकर, बेचारी सरकार को असहिष्णुता दिखाने के लिए मजबूर कर दिया। और अलीगढ़ विवविद्यालय के छात्रों पर राजद्रोह का मामला बनना तो सौ फीसद, सरकार की नहीं छात्रों की ही असहिष्णुता का मामला है। जो ''रिपब्लिक टीवी' के प्रति असहिष्णुता दिखाएगा, राजद्रोही ही तो कहलाएगा; पाकिस्तान ही भेजा जाएगा!

जब पाकिस्तान को मिला करारा जवाब

डी के बड़ोला ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) वाईएसएम

मैं कारगिल युद्ध के दौरान कश्मीर में अपनी पलटन को कमांड कर रहा था। जम्मू-कश्मीर में तैनात सेकेंड नगा रेजिमेंट को कारगिल ऑपरेशन के दौरान मश्कोह वैली में तैनात किया गया था। सरहद की हिफाजत करने में देश के बहादुर जवान कोई भी कसर नहीं छोड़ रहे थे। चाहे सुबह का समय हो या हाड़ कंपाने वाली सर्द रातें, सेना के जवान मौसम की परवाह किए बिना देश की सरहदों की हिफाजत करने में जुटे हुए थे। सात जुलाई, 1999 की रात पाकिस्तानी सेना ने भारी और अत्याधुनिक हथियारों से लैस होकर पूरी तैयारी के साथ मश्कोह वैली की पोस्ट प्वॉइंट 4875 पर अचानक हमला कर दिया। अचानक हुए हमले और घातक हथियारों की चपेट में आने से हमारे 15 बहादुर जवानों को अपनी शहादत देनी पड़ी। भारी संख्या में अपने साथियों को खोने का गम और गुस्सा रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर सहित आस-पास के इलाकों में तैनात बटालियनों के हर जवान की आंखों में साफ-साफ देखा जा रहा था। चाहे बड़ा अफसर हो या फिर छोटा सैन्य अधिकारी, हर कोई अपने वीर साथियों की शहादत का बदला लेना चाहता था। साथियों की शहादत का बदला लेने के लिए रेजिमेंट ने एक रणनीति बनाई। हमारे बहादुर जवानों ने पाकिस्तानी पोस्ट 'ट्विन बंप' पर हमला करके उसकी सभी पोस्ट और बंकर को नेस्तनाबूद कर दिया। पाक पोस्ट में रखे हुए अत्याधुनिक हथियारों के जखीरे को भी पूरी तरह बर्बाद कर दिया। अपने साथियों की शहादत के बदले का सुबूत देने के लिए इंडियन आर्मी के बहादुर जवानों ने चार पाकिस्तानी जवानों के सिर कलम कर लिए और उन्हें अपने साथ अपनी पोस्ट में लेकर आ गए। तब जाकर जवानों ने चैन की सांस ली थी और कसम खाई थी कि आतंकियों ने अगर हमारी पोस्ट पर दोबारा हमला किया, तो पूरी तरह से उनका खात्मा कर देंगे।

> पाकिस्तान के आतंकवाद का सेना ने समय-समय पर मुंहतोड़ जवाब भी दिया है, ऐसे जवाबी हमलों की कहानी एक अफसर की जुबानी।

इसी दौरान पाकिस्तानी सेना और आतंकी संगठनों के हमलों से क्षुब्ध हमारे जवानों ने 'नीलम वैली' में करीब दो महीने तक पाकिस्तान की तरफ जाने वाली सड़क पर कब्जा जमा लिया था। सड़क पर भारतीय सेना की पकड़ होने की वजह से पाकिस्तानी सेना की रसद की आपूर्ति पर भी बुरा असर पड़ा। मामले के हल के लिए पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना से मदद की गुहार लगाकर दोबारा ऐसा न करने का भरोसा दिलाया, जिसके बाद ही सेना की ओर से वह सड़क खोली गई।

भारतीय सेना के जवाबी हमले में कई बार पाकिस्तानी सेना को मुंह की खानी पड़ी है। भले ही भारतीय सेना ने पहले हमला करने में कभी कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई हो, लेकिन कायरतापूर्ण हमले का जवाब देने में उसने कभी कोई कसर नहीं छोड़ी। कारगिल युद्ध इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण है। विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच आतंकियों का साथ देने वाली पाकिस्तानी सेना भले ही पहाड़ी चोटियों पर बैठी थी, लेकिन भारतीय सेना के बहादुर जवानों के हाथों पाकिस्तानी सेना और आतंकी संगठनों को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। आजादी के बाद से कारगिल युद्ध तक भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सभी युद्धों में पाकिस्तानी फौज को हमेशा पीठ दिखाकर भागना पड़ा।

29 सितंबर, 2016 को हुई उरी सेक्टर की सर्जिकल स्ट्राइक एक छोटा सा उदाहरण है, जिसमें भारतीय सेना ने यह साबित कर दिया कि अगर हुक्म मिले, तो हमारे बहादुर सैनिक एलओसी क्रॉस करके अपने साथियों की शहादत का बदला ले सकते हैं और देश के दुश्मनों को उनके घर में घुसकर मार सकते हैं।

यह हैरानी की बात है कि पाकिस्तानी सेना और सरकार अपनी पुरानी गलतियों से सीख लेने को बिल्कुल तैयार नहीं है। भारतीय सेना या अर्द्ध सैनिक बलों के ठिकानों पर बार-बार हमला करवाया जाता है, जबकि इतिहास इस बात का गवाह है कि भारतीय सेना के बहादुर जवानों ने कभी भी पहले हमला नहीं किया। जम्मू-कश्मीर में सेना और अर्द्ध सैनिक संगठनों के ठिकानों या फिर वाहनों के काफिलों पर हमले की घटनाएं दुस्साहस की कार्रवाइयां हैं, सेना को इसका जवाब देना ही होगा, ताकि जवानों की शहादत बेकार न जाने पाए। सरकार को वैश्विक स्तर पर दबाव बनाना चाहिए। भारत को इस बात का भी दबाव बनाना होगा कि यूएस या यूएन एजेंसी पाकिस्तानी ठिकानों और पीओके में संचालित आतंकी ठिकानों की पहचान करके उन पर ड्रोन से हमला करे। आतंकी ठिकानों को पूरी तरह से नष्ट किए बिना आतंक से मुक्ति नहीं मिल सकती।

इस घटना से सबक लेते हुए आतंक प्रभावित क्षेत्रों में सेना या अर्द्ध सैनिक संगठनों के काफिले के गुजरने के दौरान आम लोगों की आवाजाही पूरी तरह से प्रतिबंधित कर देनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर में नेताओं से सुरक्षा वापस लेने का भी प्रयोग करना होगा। इससे उन नेताओं को आम जनता का दर्द महसूस हो सकेगा। आतंकियों के बार-बार हो रहे हमलों से निपटने के लिए 'पिन-प्वॉइंट स्ट्राइक' पर विशेष तौर से कार्य करना चाहिए। नवीनतम उपकरणों की मदद से आतंकी संगठनों की पहचान करना बहुत जरूरी है। चिह्नित आतंकी संगठनों और उनके ठिकानों को पूरी तरह से नष्ट करने के लिए गुप्तचर विभाग को सक्रिय भूमिका निभाने की जरूरत होगी। सेना की छोटी-छोटी टुकड़ी को नवीनतम कम्युनिकेशन और हथियारों से लैस करने की जरूरत है। आतंकी सगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने में थोड़ा भी विलंब न हो सके। आतंकी संगठनों को पूरी तरह से खत्म करने के लिए भारतीय सेना को अधिक से अधिक अधिकार देने की जरूरत है। सेना के हाथ बांधकर आतंक का खात्मा संभव नहीं है। पीओके में 'लॉन्च पैड' की पहचान करना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, ताकि आतंकियों का पूरी तरह से सफाया किया जा सके। सरकार को ऐसे ठोस कदम उठाने चाहिए कि ऐसी आतंकी घटना दोबारा न हो और इसके लिए सेना को भी प्रभावी रणनीति बनाने की जरूरत है। सेना, पुलिस, अर्द्ध सैनिक बलों के बीच समन्वय और बेहतर करना होगा। पुलवामा के आतंकी हमले से हमें सीख लेने की जरूरत है, ताकि ऐसी घटना दोबारा न हो। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

अर्थ मंत्र

दीर्घकालीन लाभ के निवेश का विकल्प

आलोक पुराणिक

किसी कारोबार में साइज का बहुत महत्व होता है। बहुत बड़ी कंपनियों में निवेश एक हद तक सुरक्षित तो होता है, पर बड़े साइज की वजह से विकास की रफ्तार मद्धिम हो जाती है। जैसे हाथी का तेज गति से चलना मुश्किल होता है, वैसे ही बहुत बड़े साइज की कंपनी का तेज गति से दौड़ना मुश्किल हो जाता है। छोटा खरगोश बहुत तेज गति से दौड़ जाता है, पर छोटे खरगोश के सामने जोखिम बहुत रहते हैं। यानी तेजी के साथ जोखिम बढ़ जाते हैं, पर बड़े साइज के साथ रफ्तार के मद्धिम होने की आशंका बढ़ जाती है। निवेश जगत में निवेशकों को इन सारे तत्वों को समझते हुए निवेश करना चाहिए, जोखिम की भी समझ रखनी चाहिए। साइज की समझ भी रखनी चाहिए और साइज से जुड़े रिटर्न की संभावनाओं का ज्ञान भी रखें।

साइज के मामले में जो कंपनियां बड़ी कंपनियां होती हैं, जिनके पास पूंजी बड़ी होती है, उन्हें लार्ज कैप यानी बड़ी पूंजी वाली कंपनी कहा जाता है, जो कंपनियां मझोले स्तर की पूंजी वाली होती हैं, उन्हें मिड कैप यानी मंझोली पूंजी वाला कंपनी कहा जाता है। और जो कंपनियां अपेक्षाकृत छोटी पूंजी वाली होती हैं, उन्हें स्माल कैप कंपनियों की श्रेणी में डाला जाता है और जो कंपनियां बहुत ही छोटे साइज की होती हैं, उन्हें स्मालर कैप कंपनियों में शुमार किया जाता है। कुछ म्यूचुअल फंड ऐसी निवेश स्कीम भी चलाते हैं, जो मल्टीकैप यानी हर किस्म के साइज की कंपनियों में निवेश वाली होती है। इस तरह की निवेश योजना को मल्टी-कैप निवेश स्कीम कहते हैं। मल्टी-कैप यानी हर साइज की कंपनी में निवेश।

ऐसी ही एक मल्टी-कैप निवेश योजना स्कीम का नाम है—फ्रेंकलिन इंडिया फोकस्ड इक्विटी फंड। यह फंड हर साइज की कंपनियों में निवेश करता है और हर उद्योग की कंपनी में निवेश करता है। यानी इसके निवेश का दायरा बहुत व्यापक है। हर साइज की कंपनी इसके दायरे में आती है और हर उद्योग की कंपनी इसके दायरे में आती है। निवेशकों को अपने निवेश योग्य संसाधनों का एक हिस्सा इस तरह की निवेश योजनाओं में भी लगाना चाहिए, जो मल्टीकैप यानी हर साइज की कंपनियों में निवेश के लिए तैयार रहती हैं।

फ्रेंकलिन इंडिया म्यूचुअल फंड भारत के पुराने म्यूचुअल फंडों में से एक है। निवेश का अच्छा-खासा तजुर्बा इस फंड को है। फ्रेंकलिन इंडिया म्यूचुअल फंड के फ्रेंकलिन इंडिया फोकस्ड इक्विटी फंड में 31 जनवरी, 2019 को कुल निवेश 7527 करोड़ रुपये की संपत्तियां थी, यानी इतना निवेश था।

इस फंड के रिटर्न को देखें तो साफ होता है कि अल्प अवधि के रिटर्न के मामले में तो इस फंड ने निराश किया है। लेकिन म्यूचुअल फंड के निवेशकों को समझना चाहिए कि म्यूचुअल फंड निवेश छोटी अवधि के लिए नहीं होते हैं। 14 फरवरी, 2019 के हिसाब से इस फंड ने एक महीने की अवधि में 4.31 प्रतिशत का घाटा दिया है। 3 महीने की अवधि का आंकड़ा देखें, तो भी साफ होता है कि इस फंड ने करीब दो प्रतिशत का घाटा दिया है। 1 साल के रिटर्न देखें, तो साफ होता है कि इस फंड ने 8.27 प्रतिशत का घाटा दिया है, अल्प अवधि के निवेशकों को इसने निराश ही किया है। पर जैसे ही आंकड़े थोड़ी लंबी निवेश अवधि की ओर बढ़ते हैं, सीन बदलने लगता है। तीन साल की अवधि में सालाना इस फंड का रिटर्न 14.55 प्रतिशत रहा है। सालाना 14.55 प्रतिशत का रिटर्न बेहतरीन माना जा सकता है। पांच साल की अवधि के लिए इसका सालाना रिटर्न 19.01 प्रतिशत रहा है। 10 साल की अवधि में इसका सालाना रिटर्न 20.54 प्रतिशत रहा है। यानी जो निवेशक दस साल तक इस स्कीम में निवेशित रहे हैं उन्होंने हर साल करीब 21 प्रतिशत का रिटर्न लिया है।

31 जनवरी, 2019 के आंकड़ों के हिसाब से देखें, तो साफ होता है कि इस कंपनी के निवेश योग्य संसाधनों का करीब 9.75 प्रतिशत स्टेट बैंक आफ इंडिया के शेयरों में निवेशित था करीब 9.44 प्रतिशत हिस्सा आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में निवेशित था और करीब 9.39 प्रतिशत हिस्सा एचडीएफसी बैंक के शेयरों में निवेशित था। 6.72 प्रतिशत हिस्सा एक्सिस बैंक के शेयरों में निवेशित था और 5.27 प्रतिशत हिस्सा इंडियन ऑयल के शेयरों में निवेशित था। छोटे साइज की कंपनी उज्जीवन फाइनेंशियल सर्विसेज में भी इस स्कीम का 1.27 प्रतिशत हिस्सा निवेशित था। छोटे साइज की दवा कंपनी नेटको में भी इस स्कीम का 1.38 प्रतिशत हिस्सा निवेशित था।

हाल के वक्त में तमाम कानूनी प्रावधानों के चलते बैंकों को अपने कर्जों की वसूली करना पहले के मुकाबले आसान हो रहा है। मजबूत बैंकों के टिके रहने की पूरी आशा है, उनके विकास की पूरी उम्मीद है, कमजोर बैंक और कमजोर वित्तीय कंपनियों के डूबने के पूरे आसार हैं।

निवेशक अपने निवेश योग्य संसाधनों का एक हिस्सा इस स्कीम में लगाने पर विचार कर सकते हैं। निवेश करने से पहले अपना अध्ययन करें या किसी वित्तीय सलाहकार की सलाह लें।

तारापुर कांड

इस गौरव से देश अनजान क्यों?

विनय विप्लब

फरवरी 15, 1932 का वो बलिदानी दिन तारापुर ही नहीं समूचे भारतवर्ष के लिए गौरव का दिन है, जब क्रांतिकारियों के धावक दल ने थाना पर तिरंगा फहराते हुए जान की बाजी लगा दी थी। राष्ट्रीय झंडा फहराने के क्रम में भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन का दूसरा सबसे बड़ा बलिदान तारापुर की धरती के 34 सपूतों की शहादत दी था। वीर बलिदानियों की धरती तारापुर (मुंगेर, बिहार) में राष्ट्रवाद का अंकुर सन 185। की ऐतिहासिक क्रांति के समय से ही फूटने लगा था और बंगाल से बिहार की विभाजन के बाद वह अपना आकार लेने लगा था। विभाजित बिहार कांग्रेस कार्यकर्ताओं और क्रांतिकारियों का गढ़ बन गया था। इसका संचालन ढोल पहाड़ी से लेकर देवधरा पहाड़ी तक हुआ करता था ।स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान तारापुर का हिमालय ''ढोल पहाड़ी' इंडियन लिबरेशन आर्मी का शिविर था, जिसका संचालन क्रांतिकारी बिरेन्द्र सिंह उर्फ बीरन दादा करते थे। इनके प्रमुख सहायक डॉ. भुवनेश्वर सिंह थे। ढोल पहाड़ी शिविर का क्रांतिकारी दस्ता ब्रिटिश सरकार की मुखबिरी करने वाले गद्दारों को सजा देने के साथ-साथ गोला-बारूद-हथियार खरीदने के लिए इलाके के धनाढ्य लोगों से रुपये-पैसे की सहायता भी लिया करते थे। इस प्रकार जन-सहयोग से तारापुर में क्रांतिकारियों का दस्ता अपने तरीके से भारत की आजादी के लिए संघर्षरत था। तारापुर में सेनानियों का दूसरा बड़ा केंद्र संग्रामपुर प्रखंड के सुपौर जमुआ ग्राम स्थित ''श्रीभवन' से संचालित होता था। जहां उस वक्त कांग्रेस से बड़े-बड़े नेता भी आया करते थे। इसी केंद्र से तारापुर ''तरंग' और ''विप्लव' जैसी क्रांतिकारी पत्रिकाएं छपती थीं। बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह, तारापुर के पहले विधायक वासुकी नाथ राय की कर्मभूमि तारापुर थी। इसी दौरान 1931 में हुआ गांधी-इरविन समझौता भंग होने के बाद जब कांग्रेस को अवैध संगठन घोषित कर अंग्रेजों ने सभी कांग्रेस कार्यालय पर ब्रिटिश झंडा यूनियन जैक टांग दिया। महात्मा गांधी, सरदार पटेल और राजेंद्र बाबू जैसे दिग्गज नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसी की प्रतिक्रिया में युद्धक समिति के प्रधान सरदार शार्दुल सिंह कवीश्वर ने एक संकल्प पत्र कांग्रेसियों और क्रांतिकारियों के नाम जारी किया कि 15 फरवरी 1932 को सभी सरकारी भवनों पर तिरंगा फहराया जाए। उनका निर्देश था कि प्रत्येक थाना क्षेत्र में पांच सत्याग्रहियों का जत्था झंडा लेकर धावा बोलेगा। कवीश्वर के आदेश को कार्यान्वित करने के लिए सुपौर-जमुआ के ''श्री भवन' में कांग्रेस कार्यकर्ताओं व अन्य क्रांतिकारियों की बैठक हुई, जिसमें मदन गोपाल सिंह (सुपोर-जमुआ), त्रिपुरारी कुमार सिंह (सुपोर-जमुआ), महावीर प्रसाद सिंह (महेशपुर), कार्तिक मंडल (चनकी) और परमानन्द झा (पसराहा) सहित 500 सदस्यों का धावक दल चयनित किया गया। 15 फरवरी 1932 को तारापुर थाना भवन पर तिरंगा फहराने के कार्यक्रम की सूचना पुलिस को पूर्व में ही मिल गई थी। इसी को लेकर ब्रिटिश कलेक्टर मिस्टर ई.ओ.ली. और एसपी ए.डब्ल्यू फ्लैग सशस्त्र बल के साथ थाना परिसर में मौजूद थे। दोपहर 2 बजे धावक दल ने थाना भवन पर धावा बोला और अंग्रेज सिपाहियों की लाठी खाते हुए आखिरकार धावक दल के मदन गोपाल सिंह ने तारापुर थाना पर तिरंगा फहरा दिया। उधर दूर खड़े होकर मनोबल बढ़ा रहे समर्थक धावक दल पर बरसती लाठियों से आक्रोशित हो उठे। गुस्से से उबलते समर्थकों ने पुलिस बल पर पथराव शुरू कर दिया, जिसमें कलेक्टर ई.ओ.ली. घायल हो गए और उसने पुलिस बल को निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश दे दिया। इस गोलीकांड में 50 से भी ज्यादा क्रांतिकारी शहीद हुए एवं सैकड़ों घायल हुए।

गोलीकांड के तीन दिन बाद केवल 13 शहीद जिनकी पहचान हो पाई थी। ये थे; शहीद विश्वनाथ सिंह, महिपाल सिंह, शीतल, सुकुल सोनार, संता पासी, झोंटी झा, सिंहेश्वर राजहंस, बदरी मंडल, वसंत धानुक, रामेश्वर मंडल, गैबी सिंह, अशर्फी मंडल और चंडी महतो। इसके अलावे 21 शव ऐसे मिले जिनकी पहचान नहीं हो पाई थी। कुछ शव तो गंगा में बहा दिए गए थे। आज शहीदों की याद में तारापुर थाना के ठीक सामने खड़ा शहीद स्मारक भवन हमें इन सपूतों की याद दिलाता है। आजादी से पूर्व हर वर्ष 15 फरवरी को ''तारापुर दिवस' मनाया जाता रहा है लेकिन आजादी के बाद सत्ता के स्वाद में हमारे नेता स्वतंत्रता शहीदों की शहादत को भूल गए।

उद्योग जगत ने इनपुट टैक्स क्रेडिट रिफंड में देरी पर जतायी चिंता

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु की अध्यक्षता में हुई व्यापार बोर्ड की बैठक में शुक्रवार को निर्यातकों और उद्योग जगत ने व्यापार संबंधी कई चिंताएं व्यक्त कीं। बैठक में इनपुट टैक्स क्रेडिट के रिफंड में देरी, बैंकों की ओर से ऋण बांटने में कमी और अमेरिका की ओर से तरजीह देने वाले प्रावधान हटाए जाने के बारे में बात की गई। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, '' उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने निर्यात क्षेत्र को ऋण आवंटन में कमी, आयात-पूर्व की शर्तों के पूर्व की तिथि से प्रभाव, इनपुट टैक्स क्रेडिट के रिफंड में देरी, अमेरिका द्वारा तरजीह देने की सरलीकृत प्रणाली के लाभ वापस लेने, ईरान को निर्यात और पड़ोसी देशों को निर्यात करने पर प्रोत्साहन की उपलब्धता जैसे कई विषयों से जुड़ी चिंताएं व्यक्त कीं।'' बयान के मुताबिक वरिष्ठ अधिकारियों ने इन मसलों का समाधान किया और निर्यात समिति और जीएसटी परिषद की आगामी बैठक में इन मसलों को उठाया जाएगा।

अमेरिका ने विकासशील देशों में वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कुछ उत्पादों को शुल्क रहित उसके बाजार में प्रवेश की अनुमति दी हुई है। इसे तरजीह देने की सरलीकृत प्रणाली (जीएसपी) कहा जाता है। अब अमेरिका ने भारत को यह सुविधाएं देने की समीक्षा करने का निर्णय किया है। निर्यातक अमेरिका के इस कदम से चिंतित हैं क्योंकि इससे उनकी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित होगी। निर्यातकों के संघ फियो के अध्यक्ष गणेश कुमार गुप्ता ने कहा कि 2018 के उत्तरार्द्ध में वैश्विक व्यापार का माहौल कड़ा हो चुका है और 2019 में इसके थोड़े नरम पड़ने के आसार हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को ब्रांडेड निर्यात को बढ़ावा देने की योजना लानी चाहिए। बुनियादी ढांचा सुधारने और व्यापार मेलों को आयोजित करने का बजट बढ़ाना चाहिए।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने व्यापार वित्तपोषण, प्रोत्साहन और लॉजिस्टिक से जुड़े अहम मसलों का समाधान करने पर जोर दिया ताकि निर्यातकों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने में मदद की जा सके। बोर्ड के सदस्यों को संबोधित करते हुए वाणिज्य सचिव अनूप वाधवां ने कहा कि देश का निर्यात 2016-17 से लगभग तीन साल से बढ़ रहा है और चालू वित्त वर्ष में इसके एक नई ऊंचाई पर पहुंचने की संभावना है। इस दौरान प्रभु ने निर्यातकों की जागरुकता के लिए एक नया ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम 'कभी भी-कहीं भी' (एनीटाइम-एनीव्हेयर) शुरू किया। साथ ही विदेश व्यापार महानिदेशालय का एक मोबाइल एप भी शुरू किया जहां निर्यातक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं और विभिन्न लाइसेंसों के लिए आवेदन भी कर सकते हैं।

रिलायंस फाउंडेशन ने शहीद सीआरपीएफ जवानों के परिवारों की जिम्मेदारी लेने की पेशकश की

नयी दिल्ली। रिलायंस फाउंडेशन ने पुलवामा आंतकी हमले में शहीद सीआरपीएफ जवानों के परिवारों की शिक्षा और जीवकोपार्जन की पूरी जिम्मेदारी लेने की शनिवार को पेशकश की। रिलायंस फाउंडेशन ने बयान जारी कर कहा, 'शहीदों के प्रति कृतज्ञता जाहिर करते हुए रिलायंस फाउंडेशन उनके बच्चों की शिक्षा एवं रोजगार और उनके परिवारों के जीवकोपार्जन की पूरी जिम्मेदारी उठाने को तैयार है।' फाउंडेशन ने कहा कि उसके अस्पताल घायल जवानों के उपचार के लिए तैयार हैं। रिलायंस फाउंडेशन, रिलायंस इंडस्ट्रीज का परोपकारी संगठन है। कश्मीर के पुलवामा जिले में 14 फरवरी को हुये आतंकी हमले में सीआरपीएफ के कम-से-कम 40 जवान शहीद हो गए थे।

एयर एशिया इंडिया की हवाई यात्रा किराये में 20 प्रतिशत छूट की पेशकश

मुंबई। सस्ती उड़ान सेवा देने वाली विमानन कंपनी एयर एशिया इंडिया ने सीमित अवधि के लिए अपने नेटवर्क की सेवाओं के किराये पर 20 प्रतिशत छूट की पेशकश की है। एयर एशिया इंडिया में टाटा समूह की 51 प्रतिशत और मलेशिया की एयर एशिया की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एयर एशिया इंडिया ने एक बयान में कहा कि सात दिन की यह बिक्री 18 फरवरी से शुरू होगी। इस दौरान खरीदे गए टिकटों पर 25 फरवरी से 31 जुलाई के बीच यात्रा की जा सकेगी। बयान के मुताबिक कंपनी वेबसाइट या मोबाइल एप से की जाने वाली सभी बुकिंग पर यह छूट उपलब्ध होगी। यात्री सेल के दौरान घरेलू यात्रा के साथ-साथ विदेश यात्रा के भी टिकट बुक करा सकते हैं। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील भास्करन ने कहा कि इस छूट योजना के साथ यात्री अपनी छुट्टियों के दौरान कम बजट में भी दुनिया में कई स्थानों पर यात्रा कर सकते हैं।

हुंदई ने ग्राहकों के लिए शुरू की नई सर्विस, घर बैठे ही मिलेगी यह सुविधा

नई दिल्ली। अगर आपके पास भी हुंदई मोटर्स की कार है तो यह खबर आपके लिए है. हुंदई ने देश में डोर स्टेप कार सर्विस को लॉन्च किया है. यह सर्विस कंपनी की तरफ से ग्राहकों को बेहतर ऑफ्टर सेल सर्विस मुहैया कराने के मकसद से शुरू की गई है. हुंदई की इस सर्विस से देश के 475 शहरों में डोर स्टेप कार सर्विस मिल सकेगी. कंपनी की आफ्टर सेल्स सर्विस भारत में सबसे अच्छी कार सर्विस में से एक मानी जाती है. साल 2017-18 में हुए एक सर्वे में भी आफ्टर सेल्स कस्टमर सेटिस्फेक्शन में कंपनी पहले नंबर पर थी.

सर्विस के लिए 500 टू व्हीलर्स को तैनात किया

कंपनी की तरफ से अपनी इस सर्विस के लिए 500 टू व्हीलर्स को तैनात किया गया है जो घर-घर जाकर ग्राहकों की जरूरतों के बारे में जानकारी लेंगे. पिछले दिनों कंपनी की तरफ से लॉन्च की गई नई सेंट्रो ने टियागो और क्विड जैसी कारों को बिक्री के मामले में पीछे छोड़ दिया है. नई सेंट्रो में 1.1 लीटर 4 सिलिंडर पेट्रोल इंजन दिया गया है. यह 69 पीएस की पावर और 99 ह्द्व का टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम है. सेंट्रो का सीएनजी वेरिएंट 58 ड्ढह्यश्च की पावर और 84 ठ्ठद्व टॉर्क जनरेट करता है.

सीएनजी वेरिएंट का 30 का माइलेज

कार में कंपनी ने 5-स्पीड मैन्युअल गियर बॉक्स स्टैंडर्ड दिया है. सीएनजी वेरिएंट में सिर्फ मैन्युअल गियर बॉक्स है. सेंट्रो का पेट्रोल वेरिएंट 20.3 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देता है. कंपनी का दावा है कि मैन्युअल ट्रांसमिशन और एएमटी दोनों में यही माइलेज मिलता है. दूसरी तरफ सीएनजी वेरिएंट के लिए कंपनी की तरफ से 30.5 किलोमीटर प्रति किलोग्राम माइलेज का दावा किया गया है.

कार के टॉप वेरिएंट में 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया है, इसमें एपल कार प्ले, एंड्रायड ऑटो और मिरर लिंक का फीचर है. सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए कहार में एंटी ब्रेकिंग सिस्टम (्नक्चस्) और ड्राइवर एयर बैग सभी वेरिएंट में दिया गया है. कार के टॉप मॉडल में ड्राइवर के साथ पैसेंजर एयर बैग भी है. पिछली सीट पर बैठने वाले की सहूलियत के लिए रियर एसी वेंट दिया गया है. बिना किसी परेशानी के गाड़ी पार्क करने के लिए कार में रियर पार्किंग कैमरा दिया है.

इस साल इन 50 स्टेशन की बदल जाएगी सूरत, 7500 करोड़ से काम होगा पूरा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के 50 रेलवे स्टेशनों पर जल्द ही आपको एयरपोर्ट वाला फील मिलेगा. शायद इसकी कल्पाना करना ही आपको अच्छा लग रहा हो. हो भी क्यों न क्योंकि जब आपको स्टेशन पर एयरपोर्ट वाली लग्जरी सुविधाएं मिलेंगी. दरअसल रेल मंत्री पीयूष गोयल के री-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत रेलवे मिनिस्ट्री की तरफ से देशभर के स्टेशनों का कायाकल्प किया जाएगा. इसके तहत स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था को भी बेहतर किया जाएगा और यात्रियों की संख्या को ध्यान में रखकर और भी सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा.

काम के इसी साल पूरा होने की संभावना

इस योजना के तहत देश के करीब 50 रेलवे स्टेशन का मेकओवर किया जाएगा. इस काम के इसी साल पूरा होने की संभावना है और इसके लिए सरकार की तरफ से 7500 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना है. इंडियन रेलवे स्टेशन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की तरफ से यह प्लानिंग की जा रही है कि यात्रियों को स्टेशन पर एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं मिलें. स्टेशन पर एराइवल (आगमन) और डिपार्चर (गंतव्य) एरिया अलग तैयार किया जाएगा. इसके अलावा सिक्योरिटी सिस्टम को बेहतर किया जाएगा.

कुछ स्टेशन पर पुरानी व्यवस्था ही रहेगी

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार स्पेशल पर्पज व्हीकल के तहत पुराने स्टेशनों को डेवलप और री-वेंप किया जाएगा. आईआरएसडीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर एसके लोहिया ने बताया कि जिन स्टेशनों पर भीड़ का ज्यादा दवाब नहीं है वहां पर आने और जाने की पुरानी सुविधा ही लागू रहेगी. लोहिया ने बताया कि एराइवल और डिपार्चर एरिया का अंतिम निर्णय स्टेशन पर उपलब्ध जगह को देखकर किया जाएगा.

इसके अलावा पैसेंजर वेटिंग एरिया भी अलग होगा. रेलवे स्टेशन पर आनी वाली ट्रेनों की सूचना अलग बोर्ड पर दी जाएगी. इस प्रोजेक्ट के तहत अभी देश के 50 स्टेशनों का मेकओवर किया जाएगा. यह पूरा काम पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत किया जाएगा. अभी मध्य प्रदेश के हबीबगंज और गुजरात के गांधी नगर रेलवे स्टेशन पर काम चल रहा है.

बंदरगाह, जल परिवहन प्रणाली विकसित करना शीर्ष प्राथमिकता : गडकरी

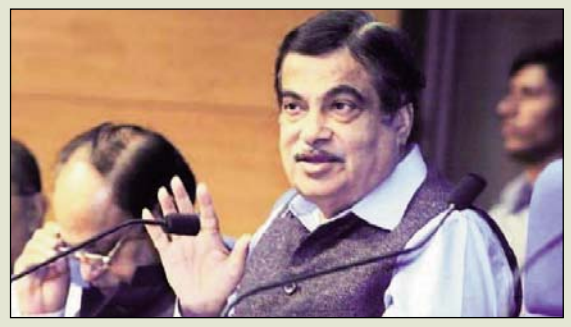

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि देश में अब तक उपेक्षित किए जाते रहे बंदरगाह क्षेत्र के विकास पर उनकी सरकार का विशेष जोर है। उन्होंने कहा कि बंदरगाहों के पुनरोद्धार और जल परिवहन के विकास के लिए कई कदम उठाए गए हैं। देश के अधिकतर बंदरगाह लाभ कमा रहे हैं। सड़क परिवहन, राजमार्ग, जहाजरानी, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्री गडकरी यहां भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जहाजरानी क्षेत्र बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी किसी देश की प्रगति उसके बंदरगाहों के विकास पर निर्भर करती है। जहां तक भारत का प्रश्न है, यहां अभी तक इस क्षेत्र की काफी उपेक्षा हुई है। लेकिन अब हम इस पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

आईसीएआई ने सरकार के आदेश के बाद ऑडिटर बदलने संबंधी घोषणा वापस ली

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में चार्टर्ड एकाउंटेंट की शीर्ष संस्था आईसीएआई ने कंपनियों में लेखाकारों के बारी-बारी से काम करने के नियम संबंधी अपनी घोषणा को तुरंत प्रभाव से वापस ले लिया. संगठन ने कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के निर्देश के बाद यह फैसला लिया. मंत्रालय ने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) से तुरंत प्रभाव से इस घोषणा को वापस लेने के लिये कहा. मंत्रालय की ओर से कभी कभार ही दिए जाने वाले इस तरह के आदेश में मंत्रालय ने घोषणा की वजह भी पूछी है.

कंपनी कानून 2013 के तहत उठाया कदम

आईसीएआई ने 29 जनवरी को कंपनियों में सनदी लेखाकारों को बदलकर रखने जाने की अपनी घोषणा पर स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा था कि यह कदम कंपनी कानून 2013 के तहत उठाया गया है. कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा लागू किये गये कंपनी कानून के तहत कुछ खास श्रेणियों की कंपनियों को अपने चार्टर्ड एकाउंटेंट को बारी बारी से बदलते रहना होगा. इसमें लेखाकारों के लिये कंपनियों से जुड़े रहने के बीच फासला बनाये रखने का भी समय रखा गया है.

स्पष्टीकरण संबंधी घोषणा को वापस ले लिया गया

आईसीएआई ने कहा है कि बारी-बारी से चार्टर्ड अकाउंटेंट को रखे जाने के बारे में 29 जनवरी को जारी स्पष्टीकरण संबंधी घोषणा को वापस ले लिया गया है. यह कदम कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय से आये पत्र के बाद जारी किया गया. पत्र में आईसीएआई से घोषणा को वापस लेने के लिये कहा गया था. पत्र में कहा गया है, 'एतत द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि कंपनी अधिनियम के किसी भी प्रावधान के बारे में कोई भी स्पष्टीकरण मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आता है. इस मामले में आईसीएआई को न तो इसका अधिकार है और न ही वह इस तरह के स्पष्टीकरण जारी करने में सक्षम प्राधिकरण है. खासतौर से तब जबकि इस संबंध में उसने पहले मंत्रालय के साथ कोई विचार विमर्श नहीं किया है.'

मंत्रालय ने आईसीएआई से इस तरह की घोषणा जारी करने के वजह भी जाननी चाही है. मंत्रालय की मंजूरी के बिना इस तरह की घोषणा करने के पीछे का कारण कारपोरेट कार्य मंत्रालय ने पूछा है.

ई-व्हीकल के ईंधन का झंझट होगा खत्म, पेट्रोल पंप की तरह हर जगह खुलेंगे चार्जिंग स्टेशन

नई दिल्ली - देशभर में ई-वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए सरकार ने कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं. दिशानिर्देशों में एक बात का साफतौर पर उल्लेख है कि ऐसे चार्जिंग स्टेशन हर 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थापित किए जाने हैं. केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि सरकार को उम्मीद है कि 2030 तक सड़क पर चलने वाले कुल वाहनों में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी ई-वाहनों की होगी. ऐसे में देशभर में ई-वाहनों की चार्जिंग के लिए बुनियादी ढांचा खड़े किए जाने की जरूरत है.

चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के प्रावधान

सरकार ने आदर्श इमारत उपनियम-2016 और शहरी क्षेत्र विकास योजना रुपरेखा और अनुपालन दिशानिर्देश-2014 में संशोधन कर ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के प्रावधान किए हैं. बयान के मुताबिक इस तरह के वाहनों और बुनियादी ढांचे के लिए उपनियम बनाने में यह दिशानिर्देश राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए परामर्श देने का काम करेंगे.

जनवरी में निर्यात 3.74 प्रतिशत बढ़ा, व्यापार घाटे में कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंजीनियरिंग, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण, औषधि तथा रसायन जैसे क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन से देश का निर्यात जनवरी में मामूली 3.74 प्रतिशत बढ़कर 26.36 अरब डॉलर रहा। जनवरी 2018 में निर्यात 25.41 अरब डालर था। नवंबर और दिसंबर 2018 में निर्यात लगभग स्थिर था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले महीने आयात 41 अरब डॉलर रहा। इससे व्यापार घाटा कम होकर 14.73 अरब डॉलर पर आ गया। इससे पिछले वर्ष के इसी महीने में व्यापार घाटा 15.67 अरब डॉलर था। हालांकि दिसंबर, 2018 के 13 अरब डालर के मुकाबले इस साल जनवरी में व्यापार घाटा बढ़ गया।

जनवरी में इंजीनियरिंग निर्यात में एक प्रतिशत, चमड़ा निर्यात में 0.33 प्रतिशत और रत्न एवं आभूषण निर्यात में 6.67 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी। वहीं पेट्रोलियम पदार्थों के निर्यात में 19 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी। स्वर्ण आयात इस साल जनवरी में 38.16 प्रतिशत बढ़कर 2.31 अरब डॉलर रहा जो 2018 के इसी महीने में 1.67 अरब डॉलर था। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (एफआईईओ) के अध्यक्ष गणेश कुमार गुप्ता ने कहा है कि चुनौतिपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू मोर्चों पर कुछ चुनौतियों के कारण निर्यात में मामूली वृद्धि दर्ज की गयी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार वृद्धि में नरमी आ रही है और चीन एवं दक्षिण एशियाई देशों सहित वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में कई तरह की चुनौतियां हैं।

मंत्रालय के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान निर्यात 9.52 प्रतिशत बढ़कर 271.8 अरब डॉलर रहा। इस दौरान आयात भी 11.27 प्रतिशत बढ़कर 427.73 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीने में व्यापार घाटा बढ़कर 155.93 अरब डॉलर रहा जो इससे पूर्व वित्त वर्ष 2017-18 की इसी अवधि में 136.25 अरब डॉलर रहा था। जनवरी में तेल आयात 3.59 प्रतिशत बढ़कर 11.24 अरब डॉलर रहा।

उधना सिटी इन्डस्ट्रीयल में लगी आग

दमकल कर्मीयों द्वारा 10 से 12 कारीगरों को निकाला गोदाम से बाहर

सूरत। उधना स्वामीनारायण मंदिर के पास सिटी इन्ड्रस्टीयल एस्टेट में आने वाले एक गोदाम में गैस लिकेज होने के कारण आग लग गई। गोडाउन में काम करते कर्मचारी आग की लगने कारण गोदाम में ही फस गए। जोकी दमकल कर्मियों को फोन कर इसकी जानकारी दी गई जिसके बाद आग लगने की जानकारी मिलते ही दमकल कर्मी तुरंत घटना स्थल पर पहुंच गए और गोदाम में फंसे 10 से 12 मजदुरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उधना स्वामीनारायण मंदिर की गली में सिटी इन्ड्रस्ट्रीयल ऐस्टेट के एक कारखाने में कारीगरी द्वारा काम किया जा रहा था इसी दरमियान कारखाने के पास खुदाई का काम चल रहा था जिसमें अचानक गैस पाइपलाइन लिकेज होने के कारण से आग लग गई। आग लगते ही भगदड़ का माहोल उतपन्न हो गया। आग लगने के कारण कारखाने में काम कर रहे कारीगर कारखाने में ही फंस गए। जिनकों दमकल विभाग के कर्मचारियों की कड़ी महनत से 10 से 12 कारीगरों को बाहर निकाला गया और आग पर काबू पा लिया गया।

महान सपुतों, देशभक्तों, श्रेष्ठियों, समाजसेवीयों और दानदाताओं से गुजरात विश्वख्यिात हैः ओ.पी.कोहली

सूरत। राज्यपाल ओ.पी.कोहली की अध्यक्षता में सूरत स्थित वीर नर्मद युनिवर्सीटी के कन्वेन्शन होल में नई दिल्ली के इन्टरनेशनल दिव्य परिवार सोसायटी द्वारा आयोजित आचार्य चाणक्य सम्मान समारोह 2019 के विविध क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य कर समाजिक उत्तरदायित्व निभाने वाले श्रेष्ठीयों, समाजसेवीकों का सम्मान किया गया। राज्यपाल के हाथों चाणक्य वार्ता मेगजिन का विमोचन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने बताया की गुजरात के विकास में राज्य के सामने कई चुनोतिया आई है के विषय पर संवाद किया गया। वीर नर्मद युनिवर्सिटी के जर्नलिजम एवं मास कोम्युनिकेशन विभाग के द्वारा आयोजित इस समारोह में राज्यपाल ओ.पी कोहली ने कहा कि चाणक्य वार्ता मैगजिन देश के विविध राज्यों की सांस्कृति, इतिहास, प्राचीन कथाओं और जीवनशैली को विशेषांक में प्रकाशित कर राज्य की स्थानिक स ंस्कृति से लोगों को जागरुक कर रही है जो कि सराहनीय काम है। राज्यपाल ने कहा कि गुजरात उत्सव प्रिय प्रदेश है यहां नवरात्रि, दिपावली जैसे त्योहारों से देश विदेश में गुजरातीयों और गुजरात की संस्कृति की प्रसिद्धी होती है। गुजरात में देश के विभिन्न हिस्सों से आए लोग यहां के विकास के सहभागी है। इससे यह प्रतित होता है कि गुजरात प्रदेश लघु भारत है।

लुट हुए जेवरों को बेचने के बजाएं गिरवी रख लोन लेती गैंग का पर्दाफास

सूरत-नवसारी के 10 बुजुर्गों की आंख में मिर्ची पाउडर डालकर लुटते थे चैन

सूरत। केवल बुजुर्गों के आंखों में मिर्ची का पाउडर डालकर सूरत में दो और नवसारी में 8 बुजुर्गों को अपना शिकार बनाने वाली गैंग के पाच में से दो लुटेरों को पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया। पकड़े गए लुटेरों द्वारा मुथुट फाइनन्स सहित तीन खानगी फाइनान्स में चैनों को गिरवी रख लोन लिया गया था। जिसमें पुलिस द्वारा आठ चैन बरामद कर ली गई है।

लिंबायत पुलिस इन्सपेक्टर वी.ऐम. मकवाणा और उनकी टीम द्वारा सरप्राईज चैकिंग की गई उस समय महराणा प्रताप के आगे ध्रुवपार्क सोसायटी के पास ऐक बाइक के उपर दो लोग जा रहे थे जो की गीर सोमनाथ, गीर के मुल निवासी थे और हाल में मुक्तिधाम पुणागाम में रहते है।

सूरत की 10 वर्षीय छात्रा ने प्रधानमंत्री को लिखा पाकिस्तान के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए पत्र

सूरत। पुलवामा में आतंकी हमले में शहिद हुए जवानों के लिए देश में चारो तरफ श्रद्धांजलि कार्यक्रम किए जा रहे है एवं पाकिस्तान को करारा जवाब देने की मांग की जा रही है। सूरत की 10 वर्षीय छात्रा ने प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर पाकिस्तान को मुहतोड़ जवाब देने की मांग की है।

सूरत के पुणा विस्तार में रहने वाले दिपक सोनी की 10 वर्षीय पुत्री मनाली ने 44 जवानों की आतंकी हमले में जान गवाने से परेशान होकर एक पत्र लिख प्रधानमंत्री को भेजा और पीएम के पते पर पोस्ट कर दिया। मानली ने कहा है कि टीवी पर शहिद ों को परिवार का दुख देख कर हमें भी बहुत दुख हुआ। भारत के जवानों को मारने वाले आतंकीयों को जल्दी से जल्दी मुंह तोड़ जवाब देने के लिए में मोदी अंकल को पत्र लिखा है, और मुझे पुरा विश्वास है कि मोदी अंकल मेरे पत्र पढने के बाद जवाब मुझे देने के बजाए पाकिस्तान को दे। मनाली ने पत्र में भगवत गीता के सलोख का उल्लेख किया है जिसमें लिखा गया है कि बुराई को मारने में पाप नहीं होता है।

पुलवामा आत्मघाती हमले के बाद पत्नी डर गई थी

आर्मी मैन ने ड्यूटी पर जाने की बात की, पत्नी ने की आत्महत्या

पत्नी ने ड्यूटी पर नहीं जाने के लिए बताया तब जवान ने कहा देश की सुरक्षा का सवाल है, मुझे जाना पड़ेगा

अहमदाबाद,१७ फरवरी।

फिलहाल में देश पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद जवानों के शोक में डूबा है तब देवभूमि द्वारका सेना के एक जवान की पत्नी ने पति की सेना की ड्यूटी में तैनात होने की चिंता में आत्महत्या कर लेने की घटना सामने आने से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। देश की सुरक्षा के लिए ड्यूटी पर जाने के लिए जा रहे आर्मी मैन पति को रोकने का प्रयास किया था लेकिन पति ने इसे समझाते हुए कहा कि, यह देश की सुरक्षा का सवाल है, मुझे जाना ही पड़ेगा। पति की यह बात सुनकर और विशेष करके पुलवामा में आत्मघाती हमले को लेकर चिंता में डूब गई पत्नी ने निराशा में आत्महत्या कर लेने से सनसनी मच गई।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, देवभूमि द्वारका जिला के खंभालिया में आर्मी जवान की पत्नी ने आत्महत्या कर ली। जिसकी वजह से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। पति भूपेन्द्रसिंह जेठवा कश्मीर गुलमर्ग में आर्मी में ड्यूटी करते होने से उनकी छुट्टी पूरी होने से ड्यूटी पर जाने की वजह से पत्नी मीनाक्षीबा जेठवा पुलवामा के आतंकवादी हमले से डर गई हो पति को ड्यूटी पर नहीं जाने के लिए विनंती की। हालांकि, पति द्वारा देश की सुरक्षा के लिए जाना ही पड़ेगा यह बात करने से पत्नी ने पति की चिंता में विशेष करके हाल के पुलवामा में जवानों पर आत्मघाती हमले को लेकर निराशा में आत्महत्या कर ली। इस घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। दूसरी तरफ, स्थानीय खंभालिया पुलिस द्वारा जवान की पत्नी के शव को पोस्टमोर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि, फिलहाल में कश्मीर में पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले में सीआरपीएफ के ४० से ज्यादा जवान शहीद होने की घटना से भूपेन्द्रसिंह की पत्नी डर गई और पत्नी चिंता में डूब गई। गुजरात सहित देश के अन्य जवानों के परिवारों में भी चिंता का कुछ ऐसा ही रही हो लेकिन देशवासी जवानों के साथ खड़े होकर उनका जोश बढ़ा रहे हैं।

लालदरवाजा जिला पंचायत के पास भाजपा ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

भानूशाली हत्या केस में दो शार्प शूटर की कड़ी पूछताछ

अहमदाबाद। जयंती भानूशाली हत्या केस में के संदर्भ में वांटेड रहे दो शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया गया। दक्षिण गुजरात के डांग जि ले की एक होटल से उसे गिरफ्तार किया गया। दो शार्प शूटर की गिरफ्तारी करने के बाद कई चौंकाने वाली जानकारी सामने आने की संभावना रही है। यह गिरफ्तारी शनिवार को ही की गई थी। डांग जिले में किसी जगह पर छिपे होने की जानकारी मिलने के बाद आतंकवाद विरोधी टीम के सदस्यों ने कार्रवाई शुरू की। आरोपियों को अहमदाबाद लाया जा चुका है। जांच के लिए सीट को सौंपा जा रहा है। आरोपियों के नाम जांच के तहत अभी तक गुप्त रखा गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के बताये अनुसार भानूशाली की हत्या केस में शामिल रहे दो शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच चल रही है। यहां उल्लेखनीय है कि, मंगलवार को भचाऊ कोर्ट ने भाजपा के पूर्व विधायक छबील पटेल के विरद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था।

अल्पेश के नाम के खिलाफ विरोध व्यक्त किया

ठाकोर समाज की चिंतन शिविर में अल्पेश के नाम से हंगामा

लोकसभा चुनाव को लेकर आयोजित की गई चिंतन शिविर में वाद विवाद के दृश्य देखने को भी मिले

अहमदाबाद। बनासकांठा जिले में रविवार को ठाकोर समाज की एक महत्व की चिंतन शिविर हुई। पालनपुर लोकसभा चुनाव को लेकर रविवार को पालनपुर में ठाकोर समाज द्वारा बैठक आयोजित हुई थी। जि समें समाज के लोगों को टिकट देने की मांग सहित के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया गया।

हालांकि, चालू बैठक के दौरान अल्पेश ठाकोर का नाम आने से ही समाज आमने-सामने आ गया और सभा अस्त व्यस्त हुई थी। ठाकोर समाज के कई सीनियरों ने अल्पेश ठाकोर के नाम के खिलाफ विरोध व्यक्त करते हुए कहा कि, अल्पेश ठाकोर बनासकांठा जिले का नहीं है और इसी वजह से बाहर के लोगों को टिकट देने का प्रश्न उपस्थित नहीं होता है। दूसरी तरफ, अल्पेश के समर्थकों ने उनको टिकट की मांग की थी। जिसे लेकर बैठक के दौरान वाद विवाद शुरू हो गया।

गुजरात लोकसभा की आगामी चुनाव को लेकर ठाकोर समाज के नेतृत्व के लिए किस उम्मीदवार को टिकट आवंटन कराना और पैनल में किसके नाम निश्चित करे यह सहित के मुद्दे पर विचार-विमर्श करने के लिए रविवार को बनासकांठा जिला के पालनपुर में ठाकोर समाज की एक चिंतन शिविर आयोजित हुई थी। हालांकि ठाकोर समाज के युवा नेता और कांग्रेस के युवा विधायक अल्पेश ठाकोर बैठक में अनुपस्थित थे लेकिन उनके समर्थक बैठक में उपस्थित रहे। उनके द्वारा लोकसभा की टिकट अल्पेश को भी देना चाहिए ऐसी मांग की गई थी। हालांकि अल्पेश का नाम आते ही जिला पंचायत के पूर्व सदस्य पोपटजी ठाकोर सहित के कई सीनियर ने भारी विरोध दर्ज कराया और बताया कि, बनासकांठा बाहर के उम्मीदवारों के नाम की चर्चा करने की कोई जरूरत नहीं है। कुछ देर में दोनों पक्षों में वाद विवाद शुरू हो गया। जिसकी वजह से चिंतन शिविर में वाद विवाद देखने को मिला है और एक समय में पूरा माहौल तनावपूर्ण बन गया। बैठक में महिला सीनियरों ने भी बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

छात्रों ने गुरुओं को सोने की चेन, उपहार देकर सम्मानित

अहमदाबाद। हरएक व्यक्ति के ज ीवन और कैरियर विकास में माता-पिता और गुरु के बहुमूल्य योगदान है। लेकिन गिनेचुने हुए लोग होते है जो अपने माता-पिता और गुरु का ऋण हमेशा याद रखते है और हमेशा उनके अधीन होकर उनके प्रति आभार व्यक्त करते है। मूल सूरत के अमेरिका के ओकलाहो में स्थाई हुए प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. परिन्द सूर्यकांतभाई शाह, हाईकोर्ट के प्रसिद्ध वकील कुमारेश के. त्रिवेदी, सूरत मनपा के डेप्युटी म्युनिसिपल कमिशनर सीवाय भट्ट सहित के विभिन्न क्षेत्र में अपना कैरियर बना चुके ५० से ज्यादा विद्यार्थी द्वारा ४० वर्षों के बाद ११ शिक्षकों का सूरत में अनोखा सम्मान किया गया। जबकि एक शिक्षक सुबोध वकील निधन हो जाने से एकत्र हुए विद्यार्थियों ने उनकी पुत्री सुजाता वकील को चेक अर्पित करके सम्मान किया गया। अपने गुरु-शिक्षकों के प्रति कुछ ऐसे ही आभार व्यक्त करने के लिए डॉ. परिन्द शाह अमेरिका से गुजरात के सूरत में आये थे। यह ५० से ज्यादा विद्यार्थियों ने उनको पढ़ाने शिक्षकों का अनोखा सम्मान करके उनको ग्रेट टीचर लिखी गई सोने की चेन, अन्य उपहार, पांच-पांच हजार रुपये के चेक अर्पित करके अनोखा सम्मान करके प्रेरणारूप उदाहरण दिया है। सिर्फ सूरत ही नहीं, पूरे शिक्षाजगत में यह घटना को बहुत ही गंभीरता से लिया जा रहा है। अपने विद्यार्थी द्वारा सम्मानित हुए शिक्षकों भी एक समय में इतना सम्मान दिया गया। सूरत के पीपलोद में आयोजित हुए शिक्षकों के अनोखा सम्मान समारोह में मेडिकल कॉलेज के डॉ. प्रोफेसर वायबी. मेहता, टीएन्ड टीवी हाईस्कूल के शिक्षक दिनेश वैद्य, गायत्री देसाई, कुमारी मयूरा ठक्कर, आचार्य चीमनलाल एल. पटेल, गीरा तांबावाला, सीजे. वीण, टीएन्ड टीवी मीडल स्कूल की शिक्षक पूर्णिमा चंद्रकांत जवेरी तथा इलाबहन शुक्ल सहित के शिक्षकों के उपस्थित विद्यार्थी और उनकी पत्नियों द्वारा सम्मान और प्रेम के साथ ग्रेट टीचर लिखी गई दस ग्राम सोने की चेन, अन्य उपहार और पांच-पांच हजार रुपये के चेक अर्पित किए गए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)